



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 429] नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 25, 1991/अग्राहायण 4, 1913

No. 429] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 25, 1991/AGRAHAYANA 4, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रह संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विधि और न्याय मंत्रालय

(न्याय विभाग)

अभिपूचना

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 1991

सा. का. नि. 698(स)— उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश सेवा शर्तें) अधिनियम, 1958 (1958 का 41) की धारा 24 की उप-धारा (2) के खंड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश नियम, 1959 में और संशोधन करने हेतु एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (i) इन नियमों को उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश (द्वितीय संशोधन) नियम, 1991 कहा जाएगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी होंगे।

2. उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश नियम, 1959 के—

(क) नियम 4 में, स्पष्टीकरण में, “बाहर हजार रुपये प्रति वर्ष से अधिक” शब्दों के स्थान पर “बीस हजार रुपये प्रति वर्ष से अधिक” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जायेगा :

(ख) नियम 4क के बाद निम्नलिखित नियम को अन्तः स्थापित किया जायेगा अर्थात्

“4ख. निशुल्क साज सज्जा—मुख्य न्यायाधीश को आर्बटित सरकारी आवास के किराया मुक्त निः शुल्क साज-सज्जा (विद्युत उपकरणों सहित) का मूल्य 1,25,00,000 रु. (एक लाख पच्चीस हजार रुपये केवल) से अधिक नहीं होगा तथा अन्य न्यायाधीशों के मामले में 1,00,000 रु. (एक लाख रुपये) से अधिक नहीं होगा।”

[सं. एल—11025/26/91 —न्याय]

बी. विश्वनाथन, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणियाँ :— भारत के राजपत्र भाग-II, खण्ड 3(i) के पृष्ठ सं. 1161 (गृह मंत्रालय सं. 15/6/58—न्यायिक-1) पर अधिसूचना सं. सा. का. नि. 935, दिनांक 4 अगस्त, 1959 के द्वारा प्रकाशित मुख्य नियमों में बाद में निम्नलिखित के द्वारा संशोधन किया गया था:—

1. अधिसूचना सं. 1/34/74 —न्याय(1), दिनांक 18-12-1974
2. सा. का. नि. 634, दिनांक 22-4-1976
3. सा. का. नि. 854, दिनांक 1-8-1980
4. सा. का. नि. 1176 (ई), दिनांक 4-11-1986
5. सा. का. नि. दिनांक 12-11-1991

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Justice)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th November, 1991

G.S.R. 698(E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of sub-section (2) of section 24 of the Supreme Court Judges (Conditions of Service)

Act, 1958 (41 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Supreme Court Judges Rules, 1959, namely :—

1. (1) These rules may be called the Supreme Court Judges (Second Amendment) Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Supreme Court Judges Rules, 1959, —

(a) in rule 4, in the Explanation, for the words “in excess of rupees twelve thousand per annum”, the words “in excess of twenty thousand rupees per annum” shall be substituted ;

(b) after rule 4A, the following rule shall be inserted, namely :—

“4B. Free furnishing.—The value of free furnishing (including electrical appliances) provided free of rent in the official residence allotted to the Chief Justice shall not exceed Rs. 1,25,000 (Rupees one lakh twenty-five thousand only) and in the case of other Judges shall not exceed Rs. 1,00,000 (Rupees one lakh only).”

[No. L-11025/26/91-Jus]

V. VISWANATHAN, Jt. Secy.

FOOTNOTE :—Principal Rules published vide Notification No. GSR 935 dated the 4th August 1959—Gazette of India Part II-Section 3(i)-page 1161 (Ministry of Home Affairs No. 15/6/58-Judl.I).

Subsequently amended by :—

1. Notification No. 1/34/74-Jus(I) dated 18-12-1974.
2. GSR 634 dated 22-4-1976.
3. GSR 854 dated 1-8-1980.
4. GSR 1176(E) dated 4-11-1986.
5. GSR dated 12-11-1991.

